पाठ 15. अनारको का सातवाँ दिन

पाठ की भूमिका

इस पाठ का उद्देश्य स्व-जागरूकता का कौशल विकसित करना है ताकि वे अपनी पसंद व नापसंद की पहचान कर सकें। छोटे बच्चों के जीवन को देखने का अपना और मौलिक नज़रिया होता है। उनकी नज़र में प्रधानमंत्री, मंत्री या किसी अन्य उच्च पदासीन व्यक्ति को अतिरिक्त प्रमुखता देना, जीवन के सहज प्रवाह में गतिरोध या आतंक पैदा करता है। अनारको के भोले, किंतु महत्वपूर्ण प्रश्न नए समाज में लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए जगह बनाने में कितने प्राणवान हैं? इसे देखना होगा।

पाठ का सार

अनारको स्कूल जाती बच्ची है। उसके मन में बड़े-बड़े सवाल उठते हैं। वह अपने पापा को देखती है। परिवार को समझती है। सवालों के घेरे में बड़ी हो रही अनारको को एक दिन हर कोने से एक ही आवाज़ सुनाई पड़ती है। "प्रधानमंत्री आ रहे हैं- प्रधानमंत्री आ रहे हैं।" इसी को लेकर हर तरफ़ हाय-तौबा है।

प्रधानमंत्री किसी पुल का उद्घाटन करने आ रहे हैं। अनारको पुल के निर्माण में प्रधानमंत्री की भूमिका को लेकर अनेक बाल-सुलभ और मौलिक प्रश्न उठाती है। प्रधानमंत्री ने ऐसा क्या किया है कि वे ही पुल का उद्घाटन करें। प्रधानमंत्री के आने पर सड़कें साफ़ हो रही हैं। दीवारों पर बच्चों द्वारा अंकित चित्र घिस-घिसकर मिटाए जा रहे हैं।

ऐसी सफ़ाई, जो बच्चों की रचनात्मकता की विरोधी है, वह भला किस काम की!

कक्षा में चित्रकला के अध्यापक द्वारा बनाया गया आम का चित्र वास्तविक आम से कितना दूर है—यह प्रसंग बताता है कि हमारी शिक्षा-प्रणाली बँधी-बँधाई लीक पर चल रही है। उसमें बच्चे की रचनात्मकता के लिए, नये प्रश्न उठाने के लिए नहीं के बराबर जगह क्यों बची है! इन्हीं सवालों को सशक्त तरीके से उठाया गया है इस पाठ में।

अध्यापन संकेत

- **मूल पाठ के लिए संकेत**

  अपने शहर-गाँव या बस्ती के उद्घाटन समारोह को देखकर बच्चों के मन में किस तरह के प्रश्न यदा-कदा उठते हैं, उन्हें पूछकर पाठ के लिए वातावरण तैयार किया जाए।

  पाठ का पठन बच्चों से बारी-बारी कराया जाए। उच्चारणगत त्रुटियों का निराकरण सही उच्चारण को स्पष्ट तरीके से बता-दोहराकर किया जाए।

  प्रश्नोत्तर में विवेक पर आधारित प्रश्नों के उत्तरों में बच्चों की मौलिकता के लिए जगह अवश्य दी जाए।

- **अभ्यास प्रश्नों के लिए संकेत**
  - **मौखिक प्रश्नों, पहेलियों, पठित परिच्छेद** व **पाठ आधारित प्रश्नों** के अध्यापन संकेत हेतु **पृष्ठ संख्या 3** देखें।
  - **भाषा आधारित प्रश्नों** का उद्देश्य हिंदी भाषा के व्याकरण-पक्ष को सुदृढ़ करना है।
  - उत्कर्षपरक उपसर्गों से शब्द-निर्माण में **अ, बा, अन, वि, ना, सु,** आदि उपसर्गों से बने प्रचलित तीन शब्दों को बोलें-लिखवाएँ। साथ ही साथ क्रिया पदबंध की पहचान कराएँ।
- **क्रियाकलाप के लिए संकेत**
  - अपनी कक्षा में एक बोर्ड ऐसा बनवाएँ जिस पर बच्चे अपना अभिमत लिख सकें।

चाहे वह अध्यापकों से उनकी अपेक्षाओं को लेकर ही क्यों न हो। इसी तरह कुछ लोग सड़क के किनारे दीवारों पर लिख देते हैं। इसके बारे में बच्चों से बातचीत की जा सकती है। कक्षा के बच्चों को हमेशा प्रसन्नचित मुद्रा में रहने की शिक्षा दें।